भगवान शिवकी उपासनाका अध्यात्मशास्त्र

(आरती एवं शिवचालीसा सहित)

भूमिका

प्रत्येक देवताका विशिष्ट 'उपासनाशास्त्र' है, अर्थात प्रत्येक देवताकी उपासनाके अन्तर्गत किया जानेवाला प्रत्येक कृत्य विशिष्ट प्रकारसे करनेका एक धर्मशास्त्र है । यह शास्त्र समझकर किए उचित कृत्योंसे उपासकको उस देवताके तत्त्वका अधिकाधिक लाभ मिलनेमें सहायता होती है । इस दृष्टिकोणसे प्रस्तुत ग्रन्थमें शिवपूजनके पूर्व पूजक स्वयंको भस्म कैसे लगाए, शिवके सामने कौनसी रंगोली बनाए, शिवको कौनसे फूल कितनी संख्यामें चढाएं, उसे किस सुगन्धकी अगरबत्ती दिखाएं, किस सुगन्धका इत्र शिवजीको अर्पण करें आदिका विवेचन किया है ।

शिवजीकी दैनिक उपासना करनेवालोंके साथ ही सोलह सोमवार, श्रावणी सोमवार, शिवामूठ, हरितालिका, महाशिवरात्रि, जैसे व्रत एवं उत्सव करनेवाले शिवभक्तोंको भी इस ग्रन्थमें दिया उस सम्बन्धी विवेचन उपयुक्त सिद्ध होगा ।

यह ग्रन्थ पढकर शिवजीके उपासकोंकी भगवान शिवपर श्रद्धा दृढ हो एवं उन्हें अधिक साधना करनेकी प्रेरणा मिले, यह श्री गुरुचरणोंमें प्रार्थना है ! – **संकलनकर्ता**

'ग्रन्थोंके चैतन्यके प्रभावसे पाठकके अन्तर्मनपर ज्ञानका संस्कार होता है, इसलिए पाठक साधना शीघ्र साधना आरम्भ करते हैं । अतः ग्रन्थ ही खरे अध्यात्मप्रसारकर्ता हैं !' – **(परात्पर गुरु) डॉ. जयंत आठवले**

अनुक्रमणिका

[कुछ वैशिष्ट्यपूर्ण सूत्र (मुद्दे) '*' चिह्नसे दर्शाए हैं ।]

१. उपासना १२

* पूजाके लिए तैयार होना : भस्म लगाना एवं रुद्राक्षधारण १२
* शिवालयमें पिण्डीके दर्शन करनेकी पद्धति ३५
* पूजाके लिए अरघाके स्रोतके सामने न बैठनेका कारण ४३
* पिण्डीकी पूजा ४३
  * ठण्डे जल एवं दूधसे स्नान कराना ४३
  * भस्मकी तीन समान्तर धारियां खींचना ४४
  * श्वेत अक्षत, श्वेत पुष्प एवं त्रिदल बेल चढानेका कारण ४४
  * पिण्डीपर पानीकी सन्ततधाराका कारण ४८
* अरघाकी पूजा : भस्मकी धारियां खींचना, फूल, अनाज चढाना ४९
* शिवपूजाकी कुछ विशेषताएं व उनका अध्यात्मशास्त्र ४९
* शिवजीकी अर्धपरिक्रमा क्यों एवं कैसे लगाते हैं ? ५६
* शिवजीसे सम्बन्धित प्रमुख व्रत : प्रदोष, १६ सोमवार, परिक्रमा, श्रावणी सोमवार, हरितालिका; त्योहार : महाशिवरात्रि ५७
* शिवमहिम्नस्तोत्र एवं शिवकवच ६२
* शिवजप : किसके लिए 'ॐ' लगाकर जप करना उचित ? ६३
* शिव गायत्री एवं महामृत्युंजयमन्त्र ६५
* शिवमन्दिरकी विशेषताएं एवं शिवमन्दिरके सन्दर्भमें अनुभूति ६६
* शिवजीकी अवमानना रोकना, कालानुसार आवश्यक उपासना ७०

२. शिवके असीम उपासक – हिन्दुओंके तेजस्वी राजा ! ७२

३. शैव सम्प्रदाय : नाथ सम्प्रदाय एवं वीरशैव (लिंगायत) ७२

卐 शिवजीकी आरती एवं शिवचालीसा ७८